

## Gainer Academy

## **CLASS - 11TH**

## Psychology (मनोविज्ञान)

Chapter - 3

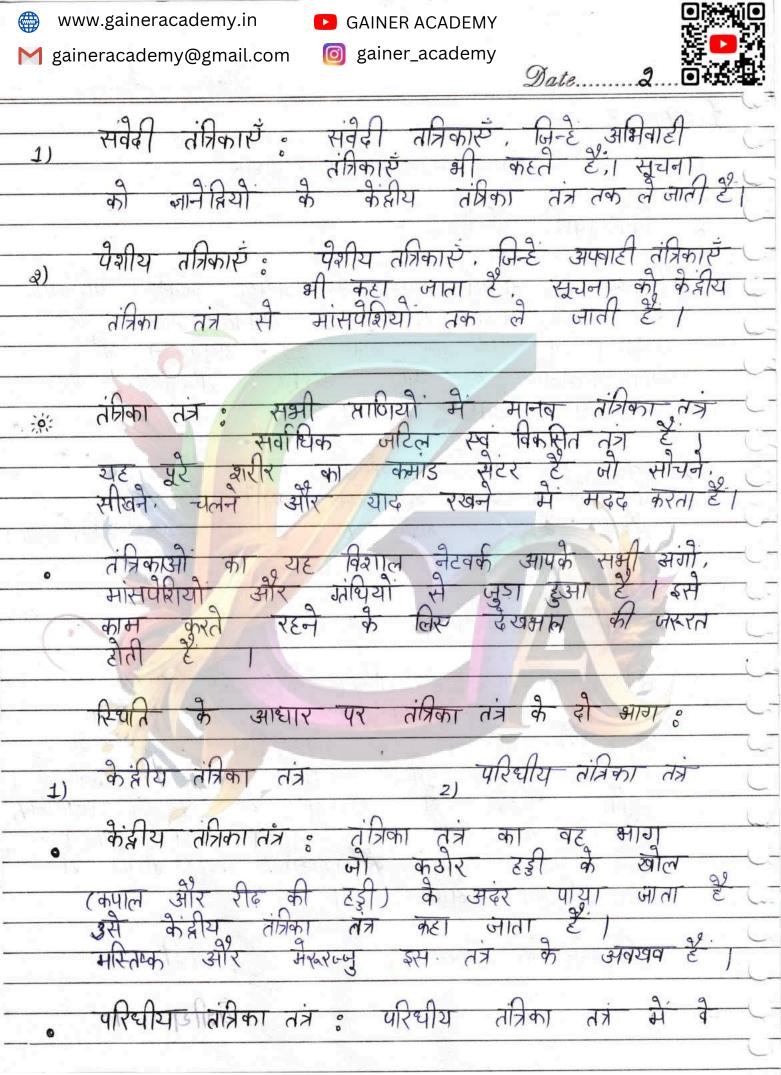
The basis of human behavior मानव व्यवहार के आधार

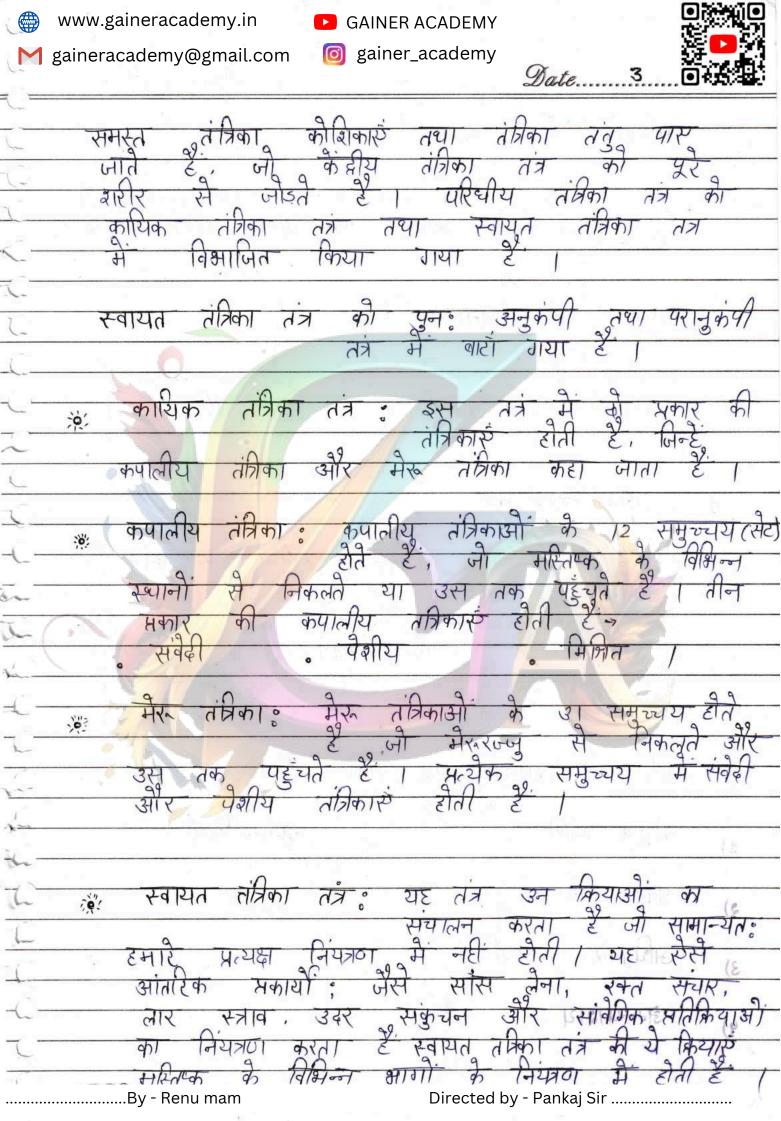


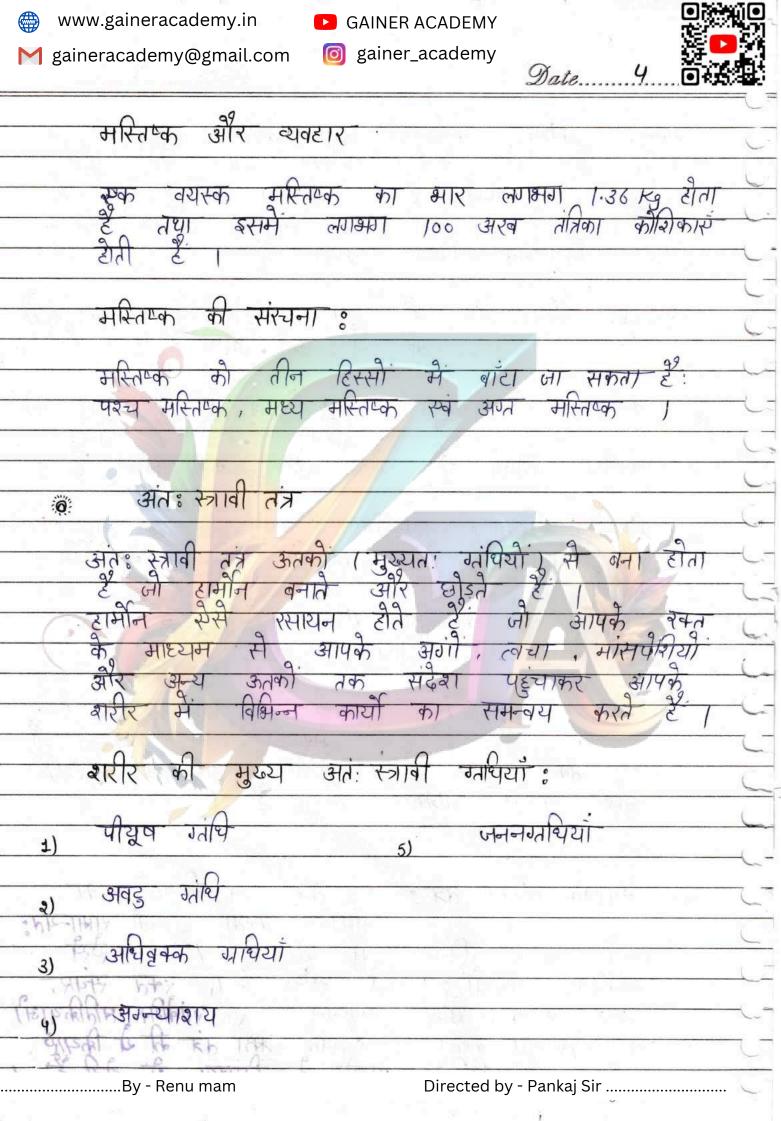




|   | www.gaineracademy.in  GAINER ACADEMY  gaineracademy@gmail.com  gainer_academy   |  |
|---|---|--|
|   | Lesson -3   |  |
|   | मानव व्यवहार के आधार  |  |
|   | विकासवाही परिप्रेह्य:   |  |
|   | विकास का तात्पर्य क्रमशः स्वं क्रमिक जैविकीय र<br>से हैं जो किसी प्रजाति के प्रविवर्ती त्यारूपों<br>पर्यावरण की परिवर्तित होती हुई अनुकूलन के<br>आवश्यकताओं के प्रति उसकी प्रतिक्रिया<br>फलस्वरूप होता हैं। | मि<br>मे<br>भे<br>भे                     |
|   | . बड़ा अरेर विकसित मिरित्यक<br>दी पेरी पर सीधा खड़ा टीकर चलने की क्षमता<br>संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करने की उ   | विद्युक क्षमता                           |
|   | ्रंं व्यवहार के जैविकीय आधार :  |  |
| L C - T - T - T - T - T - T - T - T - T - | तंत्रिका की शिकारं है तंत्रिका की शिकारं विशिष्ट<br>की शिकारं है जी विशिक्त<br>परिवर्ति करने की विद्युतीय आवेग<br>परिवर्ति करने की अदभुत योग्यता र<br>इसकी अलावा ये सूचना की विद्युत                        | न<br>मे<br>खती हैं।<br>- रासायनिक<br>वहन |
| -<br>-<br>-                               | करने तथा अन्य क्रीशिकाओं तक भेजने   | #  |
| して  | तित्रकाओं के सकार ह 1) संवेदी   | 2  |
| ₹`-<br>~`-                                | 2) वैशीयार्गि   | h °                                      |
|   | By - Renu mam Directed by - Pankaj Sir  |  |





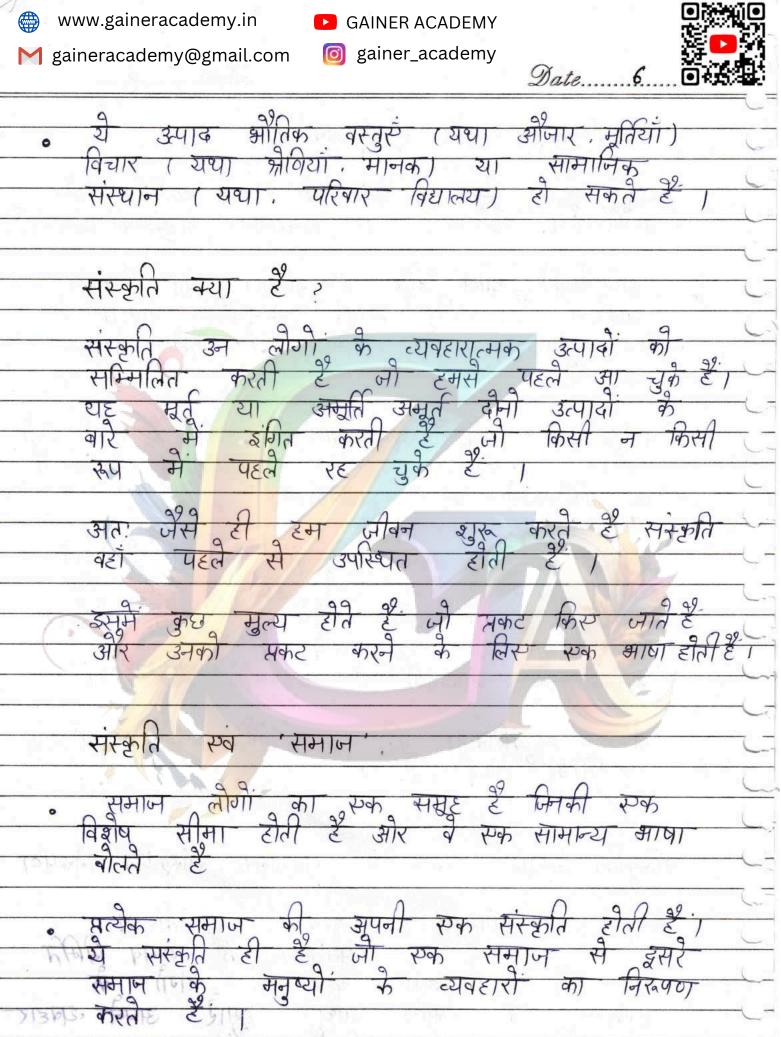


| M | www.gaineracademy.in   |
|---|--|
| _ | आनुवंशिकताः जीन रण्वं व्यवहार  |
|   | अपने पूर्वजो से उत्तराधिकार में ताप गारीरिक और<br>मनीव लानिक विशेषताओं का अध्ययन आनुवंशिकी कहलाता है   |
|   | अध्ययन है, और रमारी आनुवंशिक सामग्री में<br>परिवर्तन स्वास्प्य और बीमारी में कैसे योगदान<br>करते हैं।  |
|   | आंनुविशिकता: रूक पीढ़ी (माता-पिता) से इसी दूसरी पीढ़ी (संतान) तक जीन के माध्यम से लक्षणीं या विशेषताओं का हस्तांतरण  |
|   | गुणसूत्र : रूक स्वहम धामी जैसी सरंचना है जी सिन से बनी हीती हैं और ही जानवरों, मनुष्यों और पौधों की प्रत्येक कौशिका के केहक में पार जाते हैं। मनुष्यों में , गुणसूत्रों के इंड जोड़े हीते हैं। |
|   | जीन : अनुवंशिकता की मूल भौतिक और कार्यात्मक  |
| _ | सांस्कृतिक आधारः व्यवहार का सामाजिक सांस्कृतिक निरूपा  |
|   | संस्कृति का संप्रत्यय : संस्कृति का ताप्या<br>प्यविरण के मानव निर्मित<br>भाग से हैं। इसमें बहुत से लोगों जूके  |
| _ | द्यावहार के साधः त्याशः हमार्ग ग्रामे जातरार   |

.....By - Renu mam

उत्पाद

Directed by - Pankaj Sir .....



.....By - Renu mam

Directed by - Pankaj Sir .....

| <b>M</b> | www.gaineracademy.in  |
|----------|---|
|          | • रुक रममाज से इसरे समाज में जी विविधतारुं<br>होती हैं उन्हीं की संस्कृति का नाम दिया जाता है।                                      |
| _        | संस्कृती करण।   |
|          | संस्कृतीकरण उस सभी प्रकार के अधिगम की कहते हैं<br>जो बिना किसी प्रत्यक्ष और सुविचारित शिक्षण के होता है                             |
| <u>_</u> | संस्कृतीकरण : भारत में देखा जाने वाला विशेष तरह<br>का सामाजिक परिवर्तन हैं। इसका<br>मतलब है वह प्रक्रिया जिसमें जातित्यवस्था में    |
|          | नियमे <u>पायदान पर स्थित जातियां उन्</u> या में<br>नियमे <del>करती है। ऐसा करने के लिए</del> वै                                     |
|          | उच्च या प्रभावी जातियों के रीति-रिवान संस्कृति  |
|          | समाजीकरवा   |
|          | समाजीकरण रूक मुक्रिया है जिसके द्वारा लोग,  |
|          | ज्यान कींगल . और शील गुण अर्जित करते हैं<br>जी उन्हें समाज और समूहों के सभावी<br>सदस्यों के रूप में भाग तेने के योग्य<br>बनाते हैं। |
|          | सामाजीकरण कारण : माता-पिता :  |
|          | विद्यालय :<br>समसमूह :<br>जन संचार का समाब :  |
|          |   |

Directed by - Pankaj Sir .....

.....By - Renu mam

|  | ACADEMY academy Date 8   |
|--|--|
| परसंस्कृतिग्रहण : पर संस्कृतिशी<br>के जलस्वरूप आरु हुर<br>मनीवैद्यानिक परिवर्तनी | नेग्नहण का तात्पर्य इसरी<br>के साध स्पूर्क<br>य सांस्कृतिक और<br>से हैं। |
| बह सिक्रया जिसके हार<br>या समाज के सांस्कृति<br>आत्मसात करता है                  | ा व्यक्ति उस समूर<br>तेक मानदंदी की<br>जिससे वह संबंधित है "।            |
| इस सिक्रया के माध्यम<br>मानदंडी के आधार<br>द्वित्यकोग को बदलना                   | से, बीग समूह के<br>र अपने कार्यों और<br>गुरू करते हैं।                   |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| S MARK ILE, 2/1  |  |
| By - Renu mam  | Directed by - Pankaj Sir   |

| ΔΙ | oout ———— |
|----|-----------|
|    |           |

## **WELCOME TO GAINER ACADEMY**

I am Pankaj Verma Welcome to Our Study Verse Learn Anything,
Anywhere, Anytime. Improve your skills with our Tutorials. Unlock your
potential and achieve success with us and Unleash your inner genius with
our expert guidance.

We are offering a wide range of educational programs for all age groups and all standerd. We have dedicated teachers for helping students to reach their full potential and also guide students of their journey to success.

we are also available on



www.gaineracademy.in



**M** gaineracademy@gmail.com

og gainer\_academy

